खुद को स्थापित करने में लगीं ग्रामीण महिलाएं

ग्रामीण महिलाएं आज किसी से कम नहीं हैं. पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर चलते हुए विकास की नयी कहानी लिख रही हैं. इन महिलाओं में हौसला भरने का काम जेएसएलपीएस ने किया है. समूह से जुड़ कर ग्रामीण महिलाओं को नयी जिंदगी मिली है, वहीं आत्मविश्वास से लबरेज कई महिलाओं ने स्वरोजगार को अपना कर खुद व अन्य महिलाओं की जिंदगी संवार रही हैं. रानी मिस्त्री बन कर बखूबी शौचालय का निर्माण तो कर ही रही हैं, बल्कि खराब चापाकलों की मरम्मत के लिए रानी पानी मिस्त्री भी बन रही हैं. इससे न केवल गांवों में खराब चापाकल जल्द बनेगा, बल्कि इसके माध्यम से आमदनी भी होगी. यानी एक साथ दोहरा लाभ.

श्रृंगार व साजो सामान बेचतीं समूह की दीदियां.

महिलाएं सशक्त तो परिवार होगा मजबूत : मंत्री

विकास मेले में दीदियों को संबोधित करतीं मंत्री लुईस मरांडी.

दुमका जिले के मसलिया प्रखंड अंतर्गत होरो रायडीह पंचायत सचिवालय भवन के पास आजीविका व कौशल विकास मेले का आयोजन हुआ. यह आयोजन ग्राम स्वराज अभियान के तहत हुआ. मेले का उद्घाटन राज्य की महिला, बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लुईस मरांडी ने किया. इस अवसर पर लुईस मरांडी ने कहा कि महिलाएं सशक्त होंगी, तो परिवार मजबूत होगा. जेएसएलपीएस महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. जिले के कई गांव की दीदियां गांवों को नशामुक्त करने की कोशिश में लगी हैं. सरकार की योजना है कि जो गांव नशामुक्त होगा, उसे पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपये की राशि दी जायेगी. जोहार योजना के तहत मसलिया प्रखंड की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है.

दुलारी हेंब्रम

प्रखंड मसलिया
जिला दुमका

आजीविका व कौशल विकास मेले में कई तरह के स्टॉल लगाये गये. इसके तहत खेती-बारी, पशुपालन, कौशल विकास, सोलर लैंप, टपक सिंचाई आदि से संबंधित स्टॉलों के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी गयी. इस दौरान समूह की दीदियों ने नशामुक्ति संबंधी नाटक प्रस्तुत किये. नेत्र व रक्तदान का भी आयोजन किया गया. करीब 60 ग्रामीणों ने अपनी आखों की जांच करायी, जिसमें सात ग्रामीणों में मोतियाबिंद पाया गया. इस अवसर पर मंत्री लुईस मरांडी ने ग्राम संगठन के लीडर को लैंप देकर सम्मानित किया, वहीं कौशल विकास के तहत 10 महिलाओं को प्रमाण पत्र दिया गया. इसके अलावा बेहतर ग्राम संगठन को भी सम्मानित किया गया. मंच का संचालन शमीम अख्तर ने किया. इस अवसर पर जेएसएलपीएस कर्मी, एकेएम, एपीएस, एमबीके, जेआरपी, बैंक सखी के अलावा बीडीओ संजय कुमार, बीपीएम चंदन शर्मा, प्रखंड अध्यक्ष सुभाष दास, अमित जालान, कुणाल कुमार, निर्मल, मनोज कुमार, रोहित, चंद्रावती, संदीप, सुनील, गणेश, प्रसन्नजीत नाग, राम शंकर, अक्षय दास, लालटू नंदी, उज्ज्वल नंदी समेत काफी संख्या में समूह की दीदियां उपस्थित थीं.

दीदियों के जीवन में आया बदलाव

सुखमति गगराई

प्रखंड हाटगम्हरिया
जिला पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया प्रखंड अंतर्गत कुलाबुरु गांव की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं. इन महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी यानी जेएसएलपीएस. जीवन ज्योति महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाएं श्रृंगार दुकान खोल कर अपनी आजीविका चला रही हैं. इसके लिए बाकायदा समूह की दीदियों ने बैठक में कई पहलुओं पर चर्चा की. उन्हें यह डर सता रहा था कि कम पढ़े-लिखे होने के कारण कहीं व्यवसाय में लगा पैसा डूब न जाये. उनकी समस्याओं का समाधान समूह की अध्यक्ष, सचिव व सक्रिय सदस्यों ने किया. उन्हें व्यवसाय संबंधी विस्तार से जानकारी दी. सदस्यों ने श्रृंगार दुकान खोलने की सलाह दी. समूह की दीदियों ने समूह से श्रृंगार दुकान के लिए 20 हजार रुपये का ऋण लिया और दुकान खोलकर चलाना शुरू किया. धीरे-धीरे दुकान चल पड़ी. इससे दीदियों में आत्मविश्वास बढ़ा और वो दुकान को ठीक ढंग से चलाने लगीं. दुकान चलाने की जिम्मेदारी समूह की हर सदस्य की है. हर दिन दो-दो सदस्य श्रृंगार दुकान में अपना समय देती हैं. पहले कुलाबुरु गांव में महिलाओं के प्रसाधन संबंधी कोई दुकान नहीं होने के कारण गांव की महिलाओं को किसी सामान के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब गांव में श्रृंगार दुकान खुल जाने के कारण महिलाओं को काफी सहूलियत हो रही है. समूह की दीदियां बताती हैं कि समूह ने उनके चेहरे पर रौनक ला दी है. पहले दीदियों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी. दूसरों पर उन्हें मोहताज रहना पड़ता था. समूह से जुड़ने व उसकी गतिविधियों को जानने के बाद दीदियों में काफी परिवर्तन आया है.

आजीविका से जुड़ कर महिलाएं होतीं आत्मनिर्भर: सांसद

विकास मेले में शिरकत करतीं समूह की दीदियां.

गिरिडीह जिला अंतर्गत मध्यगोपाली पंचायत के छूटवाली मैदान में आजीविका एवं कौशल विकास मेले का आयोजन हुआ. इस अवसर पर कार्यक्रम के उद्देश्य व कौशल विकास योजना की जानकारी देने संबंधी कई स्टॉल भी लगाये गये. मुख्य अतिथि स्थानीय सांसद रवींद्र पांडेय ने कहा कि गांव की महिलाएं पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही हैं. क्षेत्र की महिलाएं घर की चहारदीवारी से निकल कर और आजीविका मिशन से जुड़ कर आत्मनिर्भर बन रही हैं. साथ ही स्वरोजगार कर अपने आसपास की महिलाओं को रोजगार भी दे रही हैं. यह प्रशंसनीय कार्य है. सांसद ने उपस्थित सखी मंडल की दीदियों से शौचालय निर्माण में उनकी उपयोगिता, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की है. स्थानीय विधायक जगरनाथ महतो ने कहा कि आज की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर चलते हुए समाज, क्षेत्र व देश की आर्थिक व सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं. जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि अगर महिलाएं शिक्षित होती हैं, तो उससे पूरा परिवार शिक्षित होता है. वहीं स्वावलंबी बन कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार भी लाती हैं. समूह की संगठनात्मक मजबूती, महिलाओं की स्वरोजगार से जुड़ीं समस्याओं के समाधान आदि में बेहतर कार्य करनेवाले बीओएप तमन्ना परवीन व देवंती देवी, एपीएस प्रमिला देवी, कृषक मित्र राजेंद्र महतो, सीएलएफ रंगामाटी महिला ग्राम संगठन, जरीडीह और बाजार उत्तरी को सम्मानित किया गया. वहीं कौशल विकास के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करनेवाले लाभुकों को प्रमाण पत्र दिये गये. कार्यक्रम में यशोदा देवी, लालमोहन महतो, अशोक ओझा, नीलकंठ महतो, बीपीएम सुनील कुमार, एफटीसी विशेश्वर मांझी, डीइओ रवींद्र कुमार, सीसी प्रभात महतो, निर्मल महतो, करमचंद महतो समेत काफी संख्या में सखी मंडल की दीदियां उपस्थित थीं.

मुनिया देवी

प्रखंड डुमरी
जिला गिरिडीह

हर बेरोजगार को मिले स्वरोजगार : उपायुक्त

पलामू जिले के टाउन हॉल में आजीविका व कौशल विकास मेले का आयोजन हुआ. इस अवसर पर उपायुक्त अमित कुमार ने कहा कि सौभाग्य योजना के तहत हर घर में बिजली पहुंचे, इसी उद्देश्य से करीब 70 गांवों के दलित परिवारों को चिह्नित किया गया है. जन धन योजना के तहत 8499 घरों में बैंक खाता खुला है. उज्ज्वला योजना के तहत कई घरों में गैस कनेक्शन पहुंचा. स्वच्छ भारत मिशन के तहत कई घरों में शौचालय का निर्माण किया गया. इस दौरान गांवों में खुले में शौच से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाने वाले ग्राम संगठनों को सम्मानित भी किया गया. कौशल विकास के तहत सिलाई-कढ़ाई व बुनाई का प्रशिक्षण प्राप्त लाभुकों को भी सम्मानित किया गया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत कई बेरोजगारों को रोजगार मिल चुका है और कई ने खुद का व्यवसाय भी शुरू किया है. भविष्य में कोई बेरोजगार नहीं रहे, इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है. कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, जेएसएलपीएस के डीपीएम दीनदयाल उपाध्याय, बीपीएम समेत काफी संख्या में सखी मंडल की दीदियां उपस्थित थीं.

नयनतारा कुमारी

प्रखंड लेस्लीगंज
जिला पलामू

फूलंती के जीने का जरिया बना समूह

पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत ढीपा पंचायत स्थित ढीपा मुंडा टोला की रहनेवाली फूलंती जोजो आज आत्मनिर्भर हैं. आर्थिक स्थिति बेहतर होने के कारण फूलंती जोजो आज अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला रही हैं. साथ ही परिवार का भरण-पोषण भी सही ढंग से कर रही हैं. करीब चार साल पहले अचानक पति की मौत हो जाने के कारण फूलंती के सामने काफी विकट समस्या उत्पन्न हो गयी थी. कमानेवाला कोई नहीं रहने के कारण दाने-दाने को मोहताज हो गयी थीं. मजदूरी कर किसी तरह अपने तीन बच्चों की परवरिश कर रही थीं. इसी बीच वर्ष 2014 में स्वयं सहायता समूह के बारे में सुनीं. वह खुशबू स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं. समूह से जुड़ने के बाद समूह की गतिविधियों में सक्रिय रहने लगीं. इस दौरान बचत करने का गुर भी सीखीं. घर-परिवार चलाने के लिए समूह से छोटे-छोटे ऋण लेने लगीं. समूह से 10 हजार रुपये का फिर ऋण ले लीं. इस राशि से उन्होंने बकरी व मुर्गी पालन शुरू किया. धीरे-धीरे बकरी व मुर्गियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई और इससे उन्हें काफी लाभ भी मिला. फूलंती कहती हैं कि अगर समूह नहीं होता, तो उन जैसी अशिक्षित महिलाओं को कोई रोजगार नहीं मिलता.

वीणा देवी

प्रखंड मनोहरपुर
जिला पश्चिमी सिंहभूम

रानी पानी मिस्त्री बन कर आत्मनिर्भर बनीं महिलाएं

लातेहार जिला अंतर्गत बरवाडीह प्रखंड के सीएलएफ कार्यालय में एक दिवसीय रानी पानी मिस्त्री का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें प्रखंड के पांच गांवों से सखी मंडल की दो-दो दीदियों ने हिस्सा लिया. इस दौरान चार मिस्त्रियों ने चापाकल बनाने का प्रशिक्षण दिया. प्रशिक्षण के दौरान खराब चापाकल को खोलने, किस औजार से खोला जायेगा, चापाकल में पाइप डालने व निकालने के तरीके, वाशर लगाने के तरीके, नट को खोलने व कसने के तरीके आदि को विस्तार से बताया. साथ ही चापाकल मरम्मत के लिए उपयोग में आनेवाले सभी औजारों के बारे में बताया गया. इस प्रशिक्षण से उपस्थित दीदियां काफी खुश दिखीं. दीदियों ने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें काफी लाभ हुआ है. गांव में चापाकल खराब होने से पानी को लेकर काफी दिक्कत होती है. वहीं चापाकल मिस्त्री को बुलाने के लिए काफी मान-मनौव्वल करना पड़ता है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. सखी मंडल की दीदियां खुद खराब चापाकल की मरम्मत करेंगी और इससे कमाई भी होगी. अब महिलाएं औजार पकड़ कर गांवों का विकास करेंगी.

नेहा कुमारी

प्रखंड बरवाडीह
जिला लातेहार

कृषि मित्र इंद्राणी महतो को मिली कामयाबी

इंद्राणी महतो पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत मनोहरपुर प्रखंड के बरंगा गांव की रहने वाली हैं. प्रगति स्वयं सहायता समूह से पिछले चार साल से जुड़ी हैं. समूह से जुड़ने से पहले न तो इंद्राणी की कोई पहचान थी और न ही उनकी घर की आर्थिक स्थिति अच्छी थी. गांव में चार साल पहले आंध्र प्रदेश से आयी दीदियों ने समूह के बारे में जानकारी देते हुए प्रशिक्षण दिया. 12 महिला सदस्यों ने प्रगति स्वयं सहायता समूह बनाया. समूह की बैठकों में बचत और महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने संबंधी बातों पर विशेष जोर दिया गया. इंद्राणी ने आजीविका कृषि मित्र के तौर पर कार्य करते हुए समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाया. वह ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी बातों को बताती हैं. इंद्राणी खुद हल्दी, केला, पपीता और अरहर दाल की खेती कर रही हैं. आज प्रगति स्वयं सहायता समूह की दीदियां सिर्फ खेती ही नहीं करतीं, बल्कि पढ़ना-लिखना भी सीख रही हैं. गांव में पहले परंपरागत खेती के कारण क्षेत्र के किसान सिर्फ धान की ही खेती करते थे, लेकिन आजीविका कृषि मित्र इंद्राणी के सहयोग से अब किसान आधुनिक विधि से कई तरह की खेती कर रही हैं. अच्छे उत्पादन के कारण अब इंद्राणी की पहचान एक सफल कृषक मित्र के रूप में हो गयी है.

आशा तिग्गा

प्रखंड मनोहरपुर
जिला पश्चिमी सिंहभूम